हिंदी स्नातक त्रिवर्षीय समानीय (ओनर्स)/साधारण (जर्नल) पाठ्यक्रम

प्रस्तावना (Introduction)

यह बी.ए. हिंदी स्नातक स्तर का कार्यक्रम है जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के विवेक को विस्तार देते हुए गहन अध्ययन की उत्कंठा विकसित करना है। ज्ञान की शाखाओं के साथ-साथ आज विश्व को सजग,आलोचनात्मक, विवेकशील और संवेदनशील व्यक्तित्व की आवश्यकता है, जो समाज की नकारात्मक शक्तियों के विरुद्ध समानता और बंधुत्व के भाव की स्थापना कर सके। हिंदी साहित्य का अध्ययन मनुष्य को विस्तार देता है तथा मानवता के विजय में उसके विश्वास को दृढ़ करता है। भाषा, आलोचना,काव्यशास्त्र का अध्ययन जहाँ सैद्धांतिक समझ को विस्तृत करता है, वहीँ कविता, नाटक, कहानी में उन सिद्धांतो को व्यावहारिक रूप से समझने की युक्तियाँ छिपी रहती है। इस प्रकार बी. ए. हिंदी का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों रूपों में सक्षम बनाता है। साथ ही पाठ्यक्रम की संरचना इस बात की आजादी भी देती है कि वह मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम में अपनी इच्छा से विभिन्न विषयों का अध्ययन कर सके।

उद्देश्य (Objectives)

स्नातक पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च माध्यमिक के पश्चात हिन्दी विषयों का गंभीर अध्ययन की ओर प्रेरित करना है। बी. ए. पाठ्यक्रम को छ: सेमेस्टर में विभाजित करते हुए 120 क्रेडिट के रूप में प्रस्तुत किया गया है। मूल पाठ्यक्रम के २२ प्रश्नपत्रों का विभाजन छ सत्रों में किया गया है, जिससे विद्यार्थियों का शैक्षिक, व्यावहारिक तथा प्रशासनिक समझ का भी विस्तार होता है। सभी विद्यार्थियों के लिए प्रोजेक्ट कार्य का भी प्रावधान है जिससे भविष्य में शोध की राहें और भी सुगम हो सके। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा और समाज के जटिल संबंधों की पहचान कराना भी है, जिससे विद्यार्थियों की दशा, समाज, राष्ट्र और विश्व के साथ बदलते समय में व्यापक सरोकारों से अपना सम्बन्ध जोड़ सके. साथ ही उसके भाषा कौशल, लेखन और सम्प्रेषण क्षमता का विकास हो सके। भाषा विज्ञान, शैली विज्ञान, अनुवाद, सौन्दर्य शास्त्र, जनसंचार माध्यम, हिंदी साहित्य, भारतीय साहित्य और प्रयोजनमूलक भाषाविज्ञान आदि विषयों का अध्ययन विद्यार्थियों के क्षितिज का विस्तार करने में सहायक है।

परिणाम (Outcomes)

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने-पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आयेंगे -

- ✓ इस पाठ्यक्रम के माध्यम से पढ़ने-पढ़ाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा के आरंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।
- ✓ भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ-साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा।
- ✓ उच्च शैक्षिक स्तर पर हिन्दी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इससे सम्बंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा।
- ✓ हिंदी भाषा को सिखाने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को विद्यार्थी व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे।
- ✓ व्यावसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा, अनुवाद, कंप्यूटर और सिनेमा जैसे विषयों को हिंदी से जोड़कर पढ़ाना जिससे बाजार के लिए आवश्यक योग्यता का भी विकास किया जा सके।
- ✓ हिंदी के अतिरिक्त भारतीय साहित्य का ज्ञान भी अपेक्षित रहेगा जो छात्रों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होगा तथा अभिव्यक्ति क्षमता का विकास भी किया जा सकेगा।
- ✓ साहित्य के माध्यम से सौन्दर्य बोध, नैतिकता, पर्यावरण और सामाजिक समरसता सम्बन्धी विषयों की समझ विकसित होगी।
- ✓ साहित्य के विभिन्न विधाओं के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मकता को दिशा मिलेगी।
- ✓ कविता, कहानी और नाटक जैसी विधाओं द्वारा विद्यार्थियों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना।

- ✓ साहित्य के आदिकालीन सन्दर्भों से लेकर समकालीन रूप से परिचित कराना जिससे विद्यार्थी साहित्यकार और युगबोध के सम्बन्धों से परिचित हो सकेंगे।
- ✓ साहित्य विवेक का निर्माण करते हुए सूचना-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिंदी के दखल की जानकारी देकर मीडिया के प्रति आस्वादन के प्रति रुचि प्रदान करना।
- ✓ प्राचीन और नवीन भारतीय एवं पाश्चात्य सौन्दर्य सिद्धांतों तथा काव्यशास्त्रीय प्रतिमानों का अध्ययन-विश्लेषण करने की क्षमता विकसित करना।

शिक्षण-प्रशिक्षण प्रक्रिया (Teaching Learning Process)

यह पाठ्यक्रम हिंदी भाषा दक्षता को मजबूती देता है, जिससे विद्यार्थी हिंदी भाषा के नवीनतम और वैश्विक निर्माण प्रक्रिया में सहायक बन सके। अपनी भाषा में व्यवहार कुशलता एवं निपुणता प्राप्त कर सके। साहित्य की समझ विकसित हो सके तथा आलोचनात्मक तथा साहित्यिक विवेक निर्मित किया जा सके। इसके लिए निम्नांकित बिन्दुओं को देखा जा सकता है -

- ✓ कक्षा व्याख्यान
- ✓ सामूहिक चर्चा
- ✓ सामूहिक परिचर्चा और चयनित विषयों पर आधारित सेमीनार आयोजन
- ✓ साहित्यिकता की समझ देना
- ✓ प्रदर्शन कलाओं को वास्तविक रूप में देखना
- ✓ कक्षाओं में पठान-पाठन पद्धति
- ✓ आतंरिक मूल्यांकन
- ✓ लेखन सर्वे
- ✓ वाद-विवाद
- ✓ आशु प्रस्तुति
- ✓ कंप्यूटर आदि का व्यावहारिक ज्ञान
- ✓ दृश्य श्रव्य माध्यमों की जानकारी व्यावहारिक रूप से देना
- ✓ काव्य वाचन, पठान और आलोचनात्मक मूल्यांकन
- ✓ कथा पाठ और वाचन में अंतर समझाना
- ✓ आलोचनात्मक मूल्यांकन पर बल

मूल्यांकन विधि (Assessment Method)

- ✓ हिंदी भाषा का व्यावहारिक मूल्यों पर आधारित परियोजना कार्य व मूल्यांकन.
- ✓ भाषिक नमूना तैयार करना और विश्लेषण
- ✓ विद्यार्थियों का मौखिक और लिखित मुल्यानाकन
- ✓ पी.पी. टी. बनाने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना. इस माध्यम से हिंदी की विविध विधाओं को दृश्य माध्यम से रुचिकर रूप से जाना जा सके.
- ✓ विधा विशेष के भाव-सौन्दर्य का अतिरिक्त छंद, अलंकार,रस, गुण, शब्द आदि के सौन्दर्य सभी आधुनिक सन्दर्भ में परिचित कराया जाना चाहिए.
- ✓ भाव विश्लेषण के लिए विधा आधारित प्रश्नोत्तरी कर मूल्यांकन करना.
- ✓ पारम्परिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन
- ✓ समूह-परिचर्चा
- ✓ सेमेस्टर परीक्षा के माध्यम से विषयगत जानकारी का मूल्यांकन.

B.A. Hindi Honours Programme under CBCS Scheme

Academic Semesters	Discipline Core (DC)	Discipline Specific Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement (AEC)	Skill Enhancement (SEC)	Credits	Marks
SEM-I	DC-1(6) DC2(6)		GE1(6)	ENVS(2)		20	200
SEM-II	DC-3(6) DC4(6)		GE2(6)	Communicative English/Bengali/MIL		20	200
SEM-III	DC5(6) DC6(6) DC7(6)		GE3(6)			24	200
SEM-IV	DC8(^) DC9(6) DC10(6)		GE4(6)			24	200
SEM-V	DC11(6) DC12(6)	DSE1(6) DSE2(6)			SEC1(2)	26	250
SEM-VI	DC13(6) DC14(6)	DSE3(6) DSE/DP4(6)			SEC2(2)	26	250
Total						140	1300

B.A. Hindi General Programme under CBCS Scheme

Academic Semesters	Discipline Core (DC)	Language core (LC1) Bengali/MIL	Language Core (LC2) English	Discipline Specific Elective (DSE)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement (AEC)	Skill Enhancement (SEC)	Credits	Marks
SEM-I	DC-1(A1) DC2(B1) (6=+6=12)	Bengali1/MIL (6)				ENVS(2)		20	200
SEM-II	DC-3(A2) DC4(B2) (6+6=12)	Bengali2MIL (6)				Communicative English/Bengali/MIL (2)		20	200
SEM-III	DC5(A3) DC6(B3) (6+6=12)		English1 (6)				SEC1(A1) (2)	20	200
SEM-IV	DC7(A4) DC8(B4) (6+6=12)		English2 (6)				SEC2(B1) (2)	20	200
SEM-V				DSE1(A1) DSE2(B1) (6+6=12)	GE1(6)		SEC3(A2) (2)	20	200
SEM-VI				DSE3(A1) DSE4(B1) (6+6=12)	GE2(6)		SEC4(B2) (2)	20	200
Total								120	1200

1. हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक):

विषय कूट- HINACOR01T

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisite for the course)

हिन्दी भाषा के प्रारम्भिक स्वरूप का ज्ञान होना अपेक्षित है।

उद्देश्य (Objectives)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भाषाशास्त्र, हिन्दी भाषा एवं उसके विकास की जानकारी देना।

अधिगम परिणाम (Learning Out come)

- ✓ भाषा के बदलते रूप का अध्ययन।
- ✓ भाषा के स्वरूप और महत्व का अध्ययन।
- ✓ भाषा एवं भाषा के विभिन्न रूपों का अध्ययन।
- ✓ हिन्दी के शब्दों का दूसरे भाषा के शब्दों से संबंध।
- ✓ हिन्दी भाषा की व्युत्पत्ति की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- ✓ हिन्दी भाषा के विकास का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
- ✓ भाषा के विभिन्न रूपों से परिचित हो सकेंगे।
- ✓ हिन्दी की विभिन्न बोलियों से परिचित हो सकेंगे।
- ✓ इतिहास के अर्थ और स्वरूप की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- ✓ हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन से परिचित हो सकेंगे।
- ✓ हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा की समझ बढ़ेगी.
- ✓ हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन परम्परा का आलोचनात्मक मूल्यांकन करेंगे.
- ✓ साहित्य और समाज का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे.
- ✓ साहित्य और समाज के स्वरुप को समझ सकेंगे.
- ✓ साहित्य और समाज के स्वरुप को समझ सकेंगे.
- ✓ भारतीय नवजागरण के औचित्य की समझ बढ़ेगी.
- ✓ आधुनिक गद्य विधाओं की समझ का विकास होगा.
- ✓ भारतीय समाज और संस्कृति के स्वरुप को समझने में यह पाठ्यक्रम सहायक होगा. आदिकाल, मध्यकाल,रीतिकाल एवं आधुनिक काल के रचनाकारों के साहित्य एवं वैचारिक सरोकार को समझ सकेंगे. नवजागरण के परिप्रेक्ष्य में आर्य समाज की भूमिका को समझ सकेंगे.

2.आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता:

विषय कूट- HINACOR02T

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisite for the course)

हिंदी भाषा के ज्ञान के साथ साहित्य में रूचि होना आवश्यक है.

उद्देश्य (Objectives)

- ✓ मध्यकालीन हिंदी गद्य से विद्यार्थियों को अवगत कराना.
- ✓ लेखक तथा उसके लेखनी के महत्व को बताते हुए लक्ष्य की और बढ़ना.

अधिगम परिणाम (LearningOutcome)

- ✓ विद्यार्थियों को १०५०-१३७५ तक के राजनीतिक, सामाजिक तथा साहित्यिक परिस्थिति से अवगत कराना.
- ✓ आदिकालीन साहित्य से अवगत कराना.
- ✓ आदिकालीन तथा मध्यकालीन समय के विभिन परिस्थितियों से अवगत कराना.
- ✓ रीतिकाल के सभी परिस्थियों से अवगत कराना.

- ✓ आदिकालीन तथा मध्यकालीन सभी रचयिताओं के सम्बन्ध में जानना
- ✓ कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसी, मीराबाई, रसखान, इन कवियों के युग परिशेष को समझ सकेंगे।
- ✓ कवियों के जीवन एवं क्रियों से परिचित हो सकेंगे।
- ✓ कवियों की भक्ति पद्धति तथा दार्शनिक विचारों को जान सकेंगे।
- ✓ कवियों के भाव पक्ष और कला पक्ष की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- ✓ भक्ति काल और रीतिकाल के संदर्भ मेन कवियों का महत्व बता सकेंगे।
- ✓ कवियों की विशिष्ट पदों की व्याख्या कर सकेंगे।
- ✓ बिहारी, घनानंद - इन कवियों के युग परिवेश को समझ सकेंगे।
- ✓ कवियों के जीवन एवं क्रियों से परिचित हो सकेंगे।
- ✓ कवियों की भक्ति पद्धति तथा दार्शनिक विचारों को जान सकेंगे।
- ✓ कवियों के भाव पक्ष और कला पक्ष की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- ✓ भक्ति काल और रीतिकाल के संदर्भ मेन कवियों का महत्व बता सकेंगे।
- ✓ कवियों की विशिष्ट पदों की व्याख्या कर सकेंगे।

3.हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल):
विषय कूट- HINACOR03T

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisiteforthecourse)

हिंदी साहित्य के प्रारम्भिक स्वरूप का ज्ञान होना अपेक्षित है।

उद्देश्य (Objectives)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य एवं उसके विकास की जानकारी देना।

अधिगम परिणाम (Learning Out come)

- ✓ साहित्य और समाज का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे.
- ✓ साहित्य और समाज के स्वरुप को समझ सकेंगे.
- ✓ साहित्य और समाज के स्वरुप को समझ सकेंगे.
- ✓ भारतीय नवजागरण के औचित्य की समझ बढ़ेगी.
- ✓ आधुनिक गद्य विधाओं की समझ का विकास होगा.

4. आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक):
विषय कूट- HINACOR04T

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisite for the course)

हिंदी साहित्य के आधुनिक काव्य की जानकारी होना आवश्यक है.

उद्देश्य (Objectives)

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी अनेक आधुनिक कवियों और उनकी रचनाओं से परिचित होंगे तथा कवितायों में रचित उत्पन्न होगी.

अधिगम परिणाम (Learning Out come)

- ✓ भारतेंदु युगीन नवजागरण का अनुशीलन कर सकेंगे.
- ✓ मुक्तछंद की अवधारना और निराला साहित्य का विवेचन-विश्लेषण कर सकेंगे.
- ✓ आधुनिक साहित्य के औचित्य को समझ सकेंगे.
- ✓ साहित्यकारों के वैचारिक पक्ष का तुलना कर सकेंगे.
- ✓ आधुनिकता बोध और समकालीन साहित्य की समझ का विकास होगा.
- ✓ कवियों के जीवन एवं क्रियों से परिचित हो सकेंगे।
- ✓ कवियों की भक्ति पद्धति तथा दार्शनिक विचारों को जान सकेंगे।
- ✓ कवियों के भाव पक्ष और कला पक्ष की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- ✓ आधुनिक हिन्दी कविता के संदर्भ मेन कवियों का महत्व बता सकेंगे।
- ✓ कवियों की विशिष्ट पदों की व्याख्या कर सकेंगे।

5. छायावादोत्तर हिंदी कविता:

विषय कूट- HINACOR05T

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisite for the course)

हिंदी साहित्य के छायावादोतर काव्य की जानकारी होना आवश्यक है.

उद्देश्य (Objectives)

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी अनेक छायावादोतर कवियों और उनकी रचनाओं से परिचित होंगे तथा कवितायों में रचित उत्पन्न होगी.

अधिगम परिणाम (Learning Outcome)

- ✓ छायावादोतर काव्य का अनुशीलन करने में सक्षम होंगे.
- ✓ कवियों की रचना प्रक्रिया का तुलनात्मक अध्ययन कर पायेंगे.
- ✓ साहित्यिक कृतियों की समीक्षा कर पायेंगे.
- ✓ भाषिक संरचना का विवेचन विश्लेषण करने में सक्षम होंगे.
- ✓ कल्पनात्मकता और रचनात्मकता में बृद्धि होगी.

6. भारतीय काव्यशास्त्र:

विषय कूट- HINACOR06T

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisiteforthecourse)

काव्यशास्त्र की परिचयात्मक जानकारी आवश्यक है।

उद्देश्य (Objectives)

- ✓ विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र के विविध पहलुओं से परिचित कराना।
- ✓ विद्यार्थियों को उच्च अध्ययन के लिए तैयार कराना एवं उनमे काव्य/साहित्य के गहन अध्ययन के प्रति रुचि निर्माण करना।

अधिगम परिणाम (Learning Outcome)

- ✓ भारतीय काव्यशास्त्र की मूल स्थापनाओं से परिचित होंगे।
- ✓ भारतीय काव्य शास्त्र का अनुशीलन करने में सक्षम होंगे.
- ✓ काव्यशास्त्र के भारतीय दृष्टिकोण से परिचित होंगे.
- ✓ अलंकारों एवं उसके विविध रूपों का बोध हो सकेगा.
- ✓ अलंकार और उसके स्वरुप की समीक्षा कर पायेंगे.
- ✓ भारतीय काव्यशास्त्र के औचित्य को समझ पायेंगे.

7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र:

विषय कूट- HINACOR07T

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisiteforthecourse)

पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परिचयात्मक जानकारी होना आवश्यक है।

उद्देश्य (Objectives)

विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र की अवधारणाओं से परिचित होंगे।

अधिगम परिणाम (LearningOutcome)

- ✓ पाश्चात्य काव्यशास्त्र की मूल स्थापनाओं से परिचित होंगे।
- ✓ पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विवेचन-अनुशीलन करने में सक्षम होंगे.
- ✓ पाश्चात्य चिंतकों के आलोचकीय दृष्टिकोण की समीक्षा कर पायेंगे.
- ✓ आलोचकीय दृष्टि के साथ-साथ लेखन कौशल में दक्ष होंगे.
- ✓ पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन कर पायेंगे.
- ✓ पाश्चात्य काव्यशास्त्र के औचित्य को समझ पायेंगे.

8. भाषा विज्ञान :

विषय कूट- HINACOR08T

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisiteforthecourse)

भाषा विज्ञान की जानकारी आवश्यक है.

उद्देश्य (Objectives)

विद्यार्थी को भाषा विज्ञान के एवं भाषा के उत्पति की जानकारी

अधिगम परिणाम (LearningOutcome)

- ✓ भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा
- ✓ अधिगम परिणाम - भाषा विज्ञान का चिंतन एवं अनुशीलन कर पायेंगे.
- ✓ भाषा के ऐतिहासिक विकास क्रम को समझ पायेंगे.
- ✓ भाषा अध्ययन के तुलनात्मक पद्धति का ज्ञान होगा.
- ✓ भाषा विज्ञान के औचित्य को समझ पायेंगे.
- ✓ शैली विज्ञान और कोष विज्ञान की विविध शाखाओं का बोध हो सकेगा.

9. हिंदी उपन्यास :

विषय कूट- HINACOR09T

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisiteforthecourse)

इस पाठ्यक्रम इतिहास,एइसिहासिक विकास और उपनास की वाधारना और समकालीन परिदृश्य से परिचित करवाना है.

उद्देश्य (Objectives)

हिंदी उपन्यासी विधा के उदय की ऐतिहासिक स्थितियों का परिचय देना और आरंभिक हिंदी उपन्यासों का वर्णन.

अधिगम परिणाम (LearningOutcome)

- ✓ विद्यार्थी इस बात से अवगत हो सकेंगे कि उपन्यास विधा न केवल मनोरंजन का आधार मात्र है, अपितु समाज के बदलाव और परिवर्तन में इनकी महती भूमिका है.
- ✓ ऐतिहासिक पात्रों और आंचलिक पात्रों की स्थितियों, परस्पर उनके व्यवहार,मनोविज्ञान और प्रदेय को समझ सकेंगे.
- ✓ क्षेत्र विशेष की संस्कृति और वहाँ के लोकजीवन का मूल्यांकन कर सकेंगे.

10. हिंदी कहानी:

विषय कूट- HINACOR10T

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisiteforthecourse)

विद्यार्थियों को हिंदी कहानी के विभिन्न प्रवृतियों, रचनाकारों और कृत्यों का परिचय देना है.

उद्देश्य (Objectives)

प्रमुख रचनाकारों और उनकी क्रियान,कहानी के विभिन्न पक्षों और रचनाकारों से सम्बंधितआलोचनात्मक दृष्टि का अध्ययन कराना.

अधिगम परिणाम (LearningOutcome)

- ✓ अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी हिंदी कहानी साहित्य के प्रति अपनी समझ विकसित कर सकेंगे.
- ✓ विविध सामाजिक समस्याओं तथा एनी घटना-प्रसंगों को कैसे रचनात्मक स्तर पर चित्रित किया जा सकता है इसे समझ सकेंगे.
- ✓ साहित्य के जरिये समाज के प्रति एक नूतन भाव बोध निर्मित होगा.
- ✓ सृजनात्मक एवं समीक्षात्मक दृष्टि का विकास होगा.

11. हिंदी नाटक एवं एकांकी:
विषय कूट- HINACOR11T

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisiteforthecourse)

हिंदी गद्य साहित्य कापरिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है.

उद्देश्य (Objectives)

- ✓ विद्यार्थियो को हिंदी गद्य विधाओं के विकास क्रम से अवगत कराना.
- ✓ विद्यार्थियों को निर्धारित रचनाओं के अध्ययन द्वारा गद्य साहित्य एवं उनके रचनाकार से परिचित कराना.

अधिगम परिणाम (LearningOutcome)

- ✓ हिंदी गद्य साहित्य का अनुशीलन कर सकेंगे.
- ✓ निबंध कला और निबंधकारों के दृष्टिकोण की समझ व लेखन कला का विकास होगा.
- ✓ जैनेन्द्र के औपन्यासिक सर्जना व विषयवस्तु को समझ सकेंगे.
- ✓ कहानी की समीक्षा करने में निपुण होंगे.
- ✓ गद्य साहित्य के औचित्य के परिचित होंगे.

12. हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं:
विषय कूट- HINACOR12T

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisiteforthecourse)

हिंदी भाषा का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है.

उद्देश्य (Objectives)

- ✓ विद्यार्थियो को हिंदी गद्य विधाओं के विकास क्रम से अवगत कराना.

- ✓ विद्यार्थियों को निर्धारित रचनाओं के अध्ययन द्वारा गद्य साहित्य एवं उनके रचनाकार से परिचित कराना.

अधिगम परिणाम (LearningOutcome)

- ✓ गद्य के विभिन्न विधाओं का अध्ययन
- ✓ गद्य विधा के विभिन्न रचनाकारों का अध्ययन
- ✓ नाटक, एकांकी एवं कहानी का रचनात्मक अध्ययन
- ✓ कहानी, नाटक तथा एकांकी का महत्व

13. हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता:
विषय कूट- HINACOR13T

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisiteforthecourse)

जनन्संचार माध्यमों का परिचयात्मकज्ञान होना अपेक्षित है.

उद्देश्य (Objectives)

- ✓ विद्यार्थियों को मुद्रित माध्यम के स्वरुप से परिचित कराना.
- ✓ मुद्रित माध्यम के विविध माध्यमों के प्रति रूचि विकसित करना तथा इससे सम्बद्ध क्षेत्रों में कार्य की दृष्टि से समझ, कौशल तथा दक्षता विकसित करना.

अधिगम परिणाम (LearningOutcome)

- ✓ जनसंचार के माध्यमों को भालीभाती जानना और इसके प्रकार तथा महत्वा को जानना.
- ✓ खबर के माध्यमों जैसे खबर लेखन, प्रदर्शन, तथा इसके पीछे छिपे तथ्यों को जानना.
- ✓ विज्ञापन तथा इसके एकत्व रूप को जानना
- ✓ व्यावसायिक लेखन तथा इसके तरीके को जानना

14. प्रयोजनमूलकहिंदी:
विषय कूट- HINACOR14T

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisiteforthecourse)

कार्यालयीन हिन्दी का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है।

उद्देश्य (Objectives)

विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं कार्यालयीन हिन्दी के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराना।

अधिगम परिणाम (LearningOutcome)

- ✓ प्रकृति, महत्व तथा भाषा के विभिन्न रूपों का अध्ययन।
- ✓ हिन्दी भाषा के व्यावहारिक प्रयोग (नोटिस, आदेश,निविदा) आदि
- ✓ पत्र लेखन मे पारंगत करना।
- ✓ विभिन्न पोर्टल तथा वेबसाइट की जानकारी।
- ✓ व्यक्तिगत ब्लॉग बनाना।

15. अस्मितामूलकविमर्श और हिंदी साहित्य:
विषय कूट-HINADSE01T

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisiteforthecourse)

विद्यार्थियों को विभिन्न साहित्यिक विमर्शों का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है।

उद्देश्य (Objectives)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम से विद्यार्थी अस्मितामूलक विमर्शों की जानकारी प्राप्त करेंगे तथा इस क्षेत्र मेन उठ रहे प्रश्नों पर विचार कर सकेंगे।

अधिगम परिणाम (LearningOutcome)

- ✓ विमार्शमुलक या अस्मितामुलक साहित्य का अनुशीलन कर सकेंगे.
- ✓ अस्मितामुलक विमर्श और हिंदी साहित्य का तुलनात्मक अध्यन कर सकेंगे.
- ✓ अस्मितामुलक विमर्श के औचित्य को समझ पायेंगे.
- ✓ विमार्शमुलक या अस्मितामुलक साहित्य की मूल प्रकृति से परिचित हो सकेंगे.
- ✓ दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श का सम्यक ज्ञान प्राप्त होगा.

16. हिंदी संत काव्य :
विषय कूट- HINADSE02T

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisiteforthecourse)

इस इकाई में भक्ति काव्य के स्वरुप और हिंदी में उसके विकास का अध्ययन करेंगे.

उद्देश्य (Objectives)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम से विद्यार्थी संत काव्य की जानकारी प्राप्त करेंगे तथा इस क्षेत्र मे उठ रहे प्रश्नों पर विचार कर सकेंगे।

अधिगम परिणाम (LearningOutcome)

- ✓ विद्यार्थी भक्ति शब्द का अर्थ बता सकेंगे.
- ✓ हिंदी के भक्ति काव्य की सामान्य विशेषताओं का उल्लेख कर सकेंगे.

- ✓ भक्ति काव्य की विभिन्न प्रवृतियों की विशेशाताएं बता सकेंगे.
- ✓ भक्ति काव्य की भाषा और शिल्प पक्ष की विशेषताओं का उल्लेख कर सकेंगे.
- ✓ भक्तिकालीन कवियों एवं उनके रचनाओं से परिचित हो पायेंगे.

17. तुलसीदास :
विषय कूट- HINADSE03T

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisiteforthecourse)

इस इकाई में तुलसीदास के जीवन, व्यक्तित्व एवं उनकी जीवन दृष्टि की चर्चा की है.

उद्देश्य (Objectives)

तुलसीदास के व्यक्तित्व, जीवनी एवं साहित्यिक परिचय कराना.

अधिगम परिणाम (LearningOutcome)

- ✓ तुलसीदास के जीवन के बारे में जान सकेंगे.
- ✓ उनके व्यक्तित्व से परिचित हो सकेंगे.
- ✓ उनकी जिवान्द्रिष्टि का वलोकन कर सकेंगे
- ✓ उनके आरंभिक लेखन की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे.
- ✓ उनके रचना विधा और रचनाओं से परिचित हो सकेंगे.
- ✓ तुलसीदास के भाव पक्ष और कला पक्ष की नानाकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- ✓ भक्ति काल के संदर्भ मेन तुलसीदास का महत्व बता सकेंगे।
- ✓ तुलसीदास की विशिष्ट पदों की व्याख्या कर सकेंगे।

18. प्रेमचंद :
विषय कूट- HINADSE04T

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisiteforthecourse)

इस इकाई में प्रेमचंद के जीवन, व्यक्तित्व एवं उनकी जीवन दृष्टि की चर्चा की है.

उद्देश्य (Objectives)

प्रेमचंद के व्यक्तित्व, जीवनी एवं साहित्यिक परिचय कराना.

अधिगम परिणाम (LearningOutcome)

- ✓ प्रेमचंद के जीवन के बारे में जान सकेंगे.

- ✓ उनके व्यक्तित्व से परिचित हो सकेंगे.
- ✓ उनकी जिवान्द्रिष्टि का वलोकन कर सकेंगे
- ✓ उनके आरंभिक लेखन की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे.
- ✓ उनके रचना विधा और रचनाओं से परिचित हो सकेंगे.

19. हिंदी संप्रेषण (MIL Communication):
विषय कूट- HINSAEC01M

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisiteforthecourse)

हिंदी भाषा का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है.

उद्देश्य (Objectives)

हिंदी भाषा के व्याकरण से अवगत कराना
विद्यार्थियों में सम्प्रेशन कौशल को विकसित करना.

अधिगम परिणाम (LearningOutcome)

- ✓ हिंदी व्याकरण को सठिक तौर पर जानना तथा सही-सही हिंदी बोलना तथा लिखना
- ✓ सही तरीके से दूसरों के साथ संपर्क करना
- ✓ हिंदी का मानवीकरण तथा सही तरीके से दूसरों से संपर्क साथा जा सके
- ✓ सुनाने, बोलने में सही भाषा का प्रयोग
- ✓ उच्चारण तथा लेखन व्यवस्था के संबंध को स्पष्ट कर सकेंगे।
- ✓ सम्प्रेषण की अवधारणा, अर्थ, परिभाषा एवं सम्प्रेषण के तत्व के विषय मेन जान सकेंगे।
- ✓ मानव जीवन मेन सम्प्रेषण के महत्व के विषय मेन जान सकेंगे।
- ✓ सम्प्रेषण प्रक्रिया से अवगत हो सकेंगे।
- ✓ सम्प्रेषण की अवधारणा, महत्व एवं सम्प्रेषण प्रक्रिया के विषय मेन अपनी राय दे सकेंगे।
- ✓ भाषाओं के आधान-प्रदान द्वारा उत्तेजित भावनाओं को शांत कर समाज मेन शांति और संतुलन बना सकेंगे।

20. साहित्य और हिंदी सिनेमा :
विषय कूट- HINSSEC01M

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisiteforthecourse)

हिंदी साहित्य में रूचि होनी आवश्यक है.

उद्देश्य (Objectives)

1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी अनेक कृतियों और साहित्यिक विधाओं से परिचित होंगे.

अधिगम परिणाम (LearningOutcome)

- ✓ सिनेमा जगत में क्रमिक विकास का ज्ञान
- ✓ सिनेमा के विभिन्न तथ्यों का अध्ययन
- ✓ विद्यार्थियों को सिनेमा जगत के बारे में ज्ञान
- ✓ विद्यार्थी सिनेमा विधा तथा साहित्य और सिनेमा के अंत: संबंधों से परिचित होंगे
- ✓ साहित्य के फिल्मांकन का व्यावहारिक अनुभव भी वे ले पायेंगे.

21. अनुवाद सिद्धान्त और प्रविधि:
विषय कूट- HINSSEC02M

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित (Prerequisiteforthecourse)

विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद शैली से परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है।

उद्देश्य (Objectives)

इसमें अनुवाद कला के सैद्धांतिक एवं व्यवहारी ज्ञान प्रदान किया जाएगा.

अधिगम परिणाम (LearningOutcome)

- ✓ इस पाठ्यक्रम के विद्यार्थी अनुवाद के महत्व से अवगत हो पायेंगे.
- ✓ अनुवाद कला से सम्बंधित सभी आयामों से अवगत करा पायेंगे.
- ✓ अनुवाद कला के सभी गुणों से अवगत होकर एक सफल अनुवादक बन पायेंगे.
- ✓ यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों को अनुवाद के क्षेत्र में कार्य करने के लिए सक्षम बना सकेगा.